This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **7673**

Unique Paper Code : **2052201201**

Name of the Paper : **Hindi Kavita (Madhyakal Aur Aadhunik kal)**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi-DSC**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×10=30

(क) कबीर माला पहन्यां कुछ नहीं, गांठि हिरदा की खोइ।
हरि चरनौं चित्त राखिये, तौ अमरापुर होइ॥
कबीर केसौं कहा बिगाड़िया, जे मूंड़े सौ बार।
मन कौं काहे न मूड़िए, जामैं बिषै विकार॥

अथवा

सिखवति चलन जसोदा मैया।
अरबराइ कर पानि गहावत, डगमगाइ धरनी धरे पैया।
कबहुँक सुंदर बदन विलोकित, उर आनंद भरि लेत बलैया।
कबहुँक कुल देवता मनावति, चिरजीवहु मेरी कुँवर कन्हैया।
कबहुँक बल कौं टेरि बुलावति, इहिं आँगन खेलौ दोउ भैया।
सूरदास स्वामी की लीला, अति प्रताप बिलसत नँदरैया।

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

(ख) एक भरोसे, एक बल, एक आस विस्वास।
एक राम-घनस्याम हित चातक तुलसीदास॥
तुलसी अपनो आचरन भलो न लागत कासु।
तेहि न वसात जो खात नित लहसुनह को वासु॥

अथवा

अंग-अंग नग जगमगत दीपशिखा-सी देह।
दिया बढाऐं हूँ रहै बड़ौ उज्यारौ गेह।
केसरि कै सरि क्यौं सकैं, चंपकु कितुक अनुपु ।
गात-रूपु लखि जातु दुरि जातरूप कौ रूपु।

(ग) जब याद आती है बड़ों के उन सपूतों की कथा,
उनके सखा, संगी, विदूषक और दूतों की कथा।
तब निकल पड़ते हैं हृदय से वचन ऐसे दुख भरे-
होवें न ऐसे पुत्र चाहे हो कुल-क्षय हे हरे!॥

अथवा

जीवन में एक सितारा था
माना वह बेहद प्यारा था
वह डूब गया तो डूब गया
अंबर के आनन को देखो
कितने इसके तारे टूटे
कितने इसके प्यारे छूटे
जो छूट गए फिर कहाँ मिले
पर बोलो टूटे तारों पर
कब अंबर शोक मनाता है
जो बीत गई सो बात गई।

2. कबीर ने अपने काव्य में सामाजिक बुराइयों का विरोध किया है। स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित तुलसी के दोहों का प्रतिपाद्य लिखिए।

3. बिहारी के दोहों के कला-पक्ष को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'बीती विभावरी ज़ाग री' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

4. हरिवंश राय बच्चन का साहित्यिक परिचय लिखिए। 15

अथवा

'उनको प्रणाम' कविता की मूल-संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 8,7

(*i*) सूरदास की भक्ति-भावना

(*ii*) 'रईसों के सपूत' का उद्देश्य

(*iii*) 'हिमालय के आँगन में' कविता का मूल कथ्य

(*iv*) 'गीत फ़रोश' कविता का सारांश।

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019